RAISINA BENGALI SCHOOL
CLASS - 4
HINDI

पाठ निर्देश - नीचे दिए गए पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ें और वीडियो की सहायता से समझें।

0217CH02

2. भालू ने खेली फ़ुटबॉल

सर्दियों का मौसम था। सुबह का वक्त। चारों ओर कोहरा ही कोहरा। एक शेर का बच्चा सिमटकर गोल-मटोल बना जामुन के पेड़ के नीचे सोया हुआ था।

इधर भालू साहब सैर पर निकले तो आए थे लेकिन पछता रहे थे। तभी उनकी नज़र जामुन के पेड़ के नीचे पड़ी।

आँखें फैलाई, अक्ल दौड़ाई- अहा फ़ुटबॉल। सोचा, चलो इससे खेलकर कुछ गर्मी हासिल की जाए।

आव देखा न ताव। भालू जी ने पैर से उछाल दिया शेर के बच्चे को।

हड़बड़ी में शेर का बच्चा दहाड़ा और फिर पेड़ की एक डाल पकड़ ली।

मगर डाल टूट गई। भालू साहब जल्दी ही मामला समझ गए। पछताए, लेकिन अगले ही पल दौड़कर फ़ुर्ती से दोनों हाथ बढ़ाए और शेर के बच्चे को लपक लिया।

अरे यह क्या! शेर का बच्चा फिर से उछालने के लिए कह रहा था।

एक बार फिर भालू दादा ने उछाला।
दो बार...
तीन बार...
फिर
बार-बार यही होने लगा।

शेर के बच्चे को उछलने में मज़ा आ रहा था। परंतु भालू थककर परेशान हो गया था।

ओह, किस आफ़त में आ फँसा।
बारहवीं बार उछालते ही
भालू ने घर की ओर
दौड़ लगाई और गायब
हो गया।

अब की बार शेर का बच्चा धड़ाम से ज़मीन पर आ गया। डाल भीं टूट गई।

तभी माली वहाँ आया और शेर के बच्चे पर बरस पड़ा–

डाल तोड़ दी पेड़ की। लाओ हर्जाना।

शेर के बच्चे ने कहा– ज़रा ठीक तो हो लूँ।

माली ने कहा ठीक है। मैं अभी आता हूँ।

माली के वहाँ से जाते ही शेर का बच्चा भी नौ दो ग्यारह हो लिया। उसने सोचा–

जान बची तो लाखों पाए।

गृहकार्य निर्देश- निम्नलिखित पाठ आधारित कार्य को अपनी कॉपी में लिखें।

1 - किसने कहा ? किससे कहा ?

(क) डाल तोड़ दी पेड़ की।

उत्तर- माली ने , शेर के बच्चे से कहा

(ख) ज़रा ठीक तो हो लूँ ।

उत्तर- शेर के बच्चे ने , माली से कहा

2 - सही विकल्प चुनो-

(क) भालू साहब क्यों निकले थे ?

खाना खाने ( ) सैर करने (✓)

(ख) कौन सा मौसम था ?

गर्मी का ( ) सर्दी का (✓)

(ग) भालू ने किसे फुटबॉल समझा ?

अपने बच्चे को ( ) शेर के बच्चे को (✓)

(घ) माली ने किसको डाँट लगाई ?

शेर के बच्चे को (✓) पेड़ को ( )

3 - शब्दों के अर्थ -

शब्दार्थ

हासिल करना	प्राप्त करना	**आफ़त**	मुसीबत
आव देखा न ताव	कुछ भी सोचा-विचारा नहीं	**बरस पड़ा**	डाँटने लगा
		हर्ज़ाना	किसी का नुकसान करने पर पैसे देना
पछताना	पहले गलती करके बाद में दुखी होना	**नौ दो ग्यारह होना**	भाग जाना
		जान बची तो लाखों पाए	शुक्र है कि जान बच गई
फुर्ती	शीघ्रता		
लपकना	झट से		